दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 09 दिसंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 71

महत्वपूर्ण एवं खास

त्रिपुरा में कोई भी होटल या रेस्टोरेंट बांग्लादेशी नागरिकों को नहीं देगा अपनी सेवाएं

अगरतला (आरएनएस)। ऑल त्रिपुरा होटल एंड रेस्टोरेंट ओनर्स एसोसिएशन (एटीएचआरओए) ने फैसला किया है कि त्रिपुरा में कोई होटल या रेस्टोरेंट बांग्लादेशी नागरिकों को अपनी सेवाएं नहीं देगा।यह निर्णय बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ बढ़ते उत्पीडऩ के मद्देनजर लिया गया है। एटीएचआरओए के कार्यालय सचिव भास्कर चक्रवर्ती ने पुष्टि की है कि यह प्रस्ताव 2 दिसंबर को पारित किया गया था और अब इसे तुरंत प्रभाव से लागू किया गया है। चक्रवर्ती ने बताया कि बांग्लादेश में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के प्रति अनादर इस निर्णय के पीछे मुख्य कारणों में से एक है।उन्होंने आगे कहा, दूसरा कारण यहां आने वाले बांग्लादेशी नागरिकों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करना है। अगर किसी बांग्लादेशी मेहमान के साथ कोई अप्रिय घटना होती है, तो जिम्मेदारी होटल मालिक पर होगी। ऐसी परेशानियों से बचने के लिए, हमने इस महीने की 2 तारीख को फैसला किया कि हम बांग्लादेशी नागरिकों को कमरे उपलब्ध नहीं कराएंगे। इससे पहले भारत के 2 प्रमुख अस्पतालों (कोलकाता का जेएन रे अस्पताल और अगरतला का आईएलएस अस्पताल) ने भी बांग्लादेश से नए मरीजों को भर्ती करना बंद कर दिया था।बांग्लादेश में चल रही राजनीतिक अशांति ने भारत में चिकित्सा पर्यटन को प्रभावित किया है।नारायण हेल्थ के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि ने बताया कि वीजा मुद्दों और राजनीतिक अस्थिरता के कारण बांग्लादेशी मरीजों की संख्या 180-200 से घटकर 60 हो गई है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में भोजन विषाक्तता से एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

राजौरी/जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के एक सुदूर गांव में भोजन विषाक्तता के कारण 40 वर्षीय व्यक्ति और उसके तीन बच्चों की मौत हो गई जबकि उसकी पत्नी और एक बेटी का इलाज जारी है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि बदहाल गोरला गांव के रहने वाले फजल हुसैन, उनकी पत्नी शमीम अख्तर (38) और उनके चार बच्चों को शनिवार देर रात गंभीर अपच होने के कारण राजौरी सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था. उन्होंने बताया कि हुसैन ने रविवार तडक़े इलाज के दौरान दम तोड़ दिया जबकि उनकी पत्नी और बच्चों को विशेष उपचार के लिए जम्मू स्थानांतरित किया गया था. अधिकारियों ने बताया कि जम्मू के अस्पताल में तीन बच्चों ने भी दम तोड़ दिया, जिनक पहचान 15 वर्षीय राबिया कौसर, 12 वर्षीय फरमाना कौसर और 4 वर्षीय रफ्तर अहमद के रूप में हुई है. अख्तर और उनकी दूसरी बेटी 12 वर्षीय रुक्सार का इलाज जारी है. कोटरंका के अतिरिक्त उपायुक्त दिल मोहम्मद ने कहा कि पुलिस ने उनकी मौत के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है.

सीमा सुरक्षा के लिए बनाई जाएगी बृहद् ड्रोन रोधी इकाई

❐ गृह मंत्री अमित शाह का ऐलान

जोधपुर। आरएनएस

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि भारत अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए जल्द ही एक बृहद् ड्रोन रोधी इकाई बनाएगा क्योंकि आने वाले दिनों में इस तरह का ''खतरा'' गंभीर होने वाला है. भारत-पाकिस्तान सीमा से लगभग 300 किलोमीटर दूर प्रशिक्षण शिविर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 60वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में जवानों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि ''लेजर से लैस ड्रोन रोधी गन-माउंटेड'' के शुरुआती नतीजे प्रभावशाली रहे हैं. उन्होंने कहा कि इससे पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन को निष्क्रिय करने और उनका पता लगाने की क्षमता तीन प्रतिशत से 55 प्रतिशत तक बढ़ी है. शाह ने कहा, ''आने वाले दिनों में ड्रोन का खतरा और भी गंभीर होने वाला है... हम इससे निपटने के लिए पूरे भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए रक्षा तथा अनुसंधान संगठनों और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ मिलकर काम कर रहे हैं.'' उन्होंने कहा, ''हम आने वाले समय में देश के लिए एक बृहद् ड्रोन रोधी इकाई बनाने जा रहे हैं.''

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पाकिस्तान से सटी भारत की सीमा पर इस वर्ष 260 से अधिक ड्रोन गिराए गए या बरामद किए गए हैं, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 110 ड्रोन का था. हथियार तथा मादक पदार्थ तस्करी के लिए इस्तेमाल किए गए ड्रोन सबसे अधिक पंजाब और कुछ राजस्थान तथा जम्मू में मार गिए या बरामद गए. गृह मंत्री ने परेड की समीक्षा की, सलामी ली और वीरता पुरस्कार विजेताओं को पदक और कुछ अन्य अलंकरण प्रदान किए.

बीएसएफ की स्थापना एक दिसंबर 1965 को की गई थी जिसमें फिलहाल 2.65 लाख जवान हैं. मुख्य रूप से इसका काम देश के आंतरिक सुरक्षा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के कर्तव्यों के निर्वहन के साथ-साथ पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ 6,300 किलोमीटर से अधिक की भारतीय सीमा की सुरक्षा करना है. शाह ने कहा कि पाकिस्तान (2,289 किलोमीटर) और बांग्लादेश (4,096 किलोमीटर) से सटी भारतीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए शुरू की गई एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली (सीआईबीएमएस) पर काम प्रगति पर है. उन्होंने कहा, ''हमें असम के धुबरी (भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा) में नदी सीमा पर स्थापित सीआईबीएमएस के प्रभावशाली परिणाम देखने को मिल रहे हैं लेकिन कुछ सुधार की जरूरत है.''

गृह मंत्री ने यह भी कहा कि उत्तरी सीमाओं पर बसी आबादी के विकास और उसे मुख्यधारा में लाने के लिए मोदी सरकार के 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' को देश के सभी सीमावर्ती गांवों के लिए लागू किया जाएगा. उन्होंने कहा कि 48,000 करोड़ रुपये की निधि आवंटित करने के साथ सीमा सुरक्षा को बढ़ाना और इन दूरदराज के इलाकों में रहने वाली आबादी के लिए काम करना मोदी सरकार की ''सबसे बड़ी उपलब्धि'' है. अमित शाह ने कहा इस पहल के तहत लगभग 3,000 गांवों में ''प्रायोगिक आधार'' पर काम किया जा रहा है. शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने भारत की सीमाओं को मजबूत करने के लिए ''बड़ा'' बजट मंजूर किया है जिसके तहत बाड़ लगाने, सीमावर्ती बुनियादी ढांचा, सडक़ें और अन्य रसद से जुड़े काम किए गए हैं. उन्होंने कहा, ''बिना सुरक्षा बलों के भारत के लिए 2047 तक नंबर-एक देश बनना संभव नहीं है... वे जवान जो समर्पण के साथ हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं.''

शाह ने बताया कि मोदी सरकार ने 1,812 किलोमीटर सडक़ों के अलावा लगभग 573 नयी सीमा चौकियां बनाई हैं. बीएसएफ के महानिदेशक (डीजी) दलजीत सिंह चौधरी ने कहा कि 13,226 नए प्रशिक्षित जवानों को विभिन्न बटालियनों में तैनात किया गया है और इससे बल की ''संचालन ताकत'' बढ़ेगी. उन्होंने कहा कि नए भर्ती किए गए 4,000 अतिरिक्त जवान प्रशिक्षण ले रहे हैं, जबकि लगभग 12,000 जवान अगले माह सीमा पर तैनात होने से पहले सुरक्षा और युद्ध कौशल सीखने के लिए बल में शामिल होंगे. चौधरी ने हथियार और मादक पदार्थ तस्करी के लिए पाकिस्तान सीमा से भेजे जा रहे ड्रोन की ''बढ़ती संख्या'' के बारे में भी बात की. उन्होंने कहा कि इस साल पश्चिमी सीमा पर 250 से अधिक ड्रोन को रोका गया. उन्होंने कहा, ''हमने इस खतरे से निपटने के लिए डीआरडीओ द्वारा निर्मित ड्रोन रोधी प्रणाली स्थापित की है.''

11 राज्यों में कोहरे का अलर्ट

जम्मू-कश्मीर में भारी बर्फबारी से मैदानी इलाकों में कांपने लगे लोग

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में भारी बर्फबारी के बाद मैदानी इलाकों में भी ठिठुरन बढ़ गई है. जिसके चलते अब दिल्ली-एनसीआर समेत आसपास के इलाकों में भी लोग ठंड से कांपने लगे हैं. जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में तापमान शून्य से नीचे चला गया है. ऊंचे पहाड़ों पर झरने जम गए हैं और मैदानी इलाकों में भी लोगों कांपने लगे हैं.

उधर राजस्थान के रेगिस्तान में भी पारा पांच डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है. इसी के साथ भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले दो दिनों तक पंजाब, हरियाणा समेत देश के 11 राज्यों में घना कोहरा छाए रहने का अलर्ट जारी किया है. कोहरे का ये असर देर रात और सुबह तक देखने को मिल सकता है.

इसी के साथ भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आज जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बारिश की संभावना जताई है. मौसम विभाग की मानें तो पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में ताजा पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से रविवार को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के कई इलाकों में हल्की बारिश देखने को मिल सकती है. इसके साथ ही ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी होने की भी संभावना है.

इस बीच कश्मीर घाटी में गुलमर्ग समेत कई जगहों पर तापमान शून्य से नीचे चला गया. शनिवार को श्रीनगर में तापमान माइनस 2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. जबकि यहां एक दिन पहले यानी शुक्रवार को पारा 4.1 डिग्री दर्ज किया गया था.

पिकनिक पर जा रही स्कूली बस दुर्घटनाग्रस्त, तीन बच्चों की मौत

राजसमंद। आरएनएस

राजस्थान के राजसमंद में रविवार की सुबह भीषण सडक़ हादसे में तीन बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि करीब 25 से अधिक अन्य घायल हो गए। पूरी घटना राजसमंद जिले के चारभुजा थाना क्षेत्र के अंतर्गत देसूरी की नाल की है। यहां पर चारभुजा मंदिर से दर्शन करके परशुराम महादेव जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर गई, जिससे तीन बच्चों की मौत हो गई। वहीं, करीब 25 से अधिक घायल हो गए। मृतक बच्चों के परिवार के सदस्य सदमे में हैं। उनका रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना पाकर मौके पर राजसमंद एसपी समेत कई आला अधिकारी पहुंचे। उन्होंने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल रवाना किया। हादसे में जान गंवाने वाले पीडित बच्चे आमेट क्षेत्र की राझेटी पंचायत के सरकारी स्कूल के विद्यार्थी थे। बताया जा रहा है कि बस में करीब 65 बच्चे सवार थे। हादसे में विद्यालय के प्रधानाचार्य और एक शिक्षक को भी चोटें आई हैं। चारभुजा थाना पुलिस ने तीनों बच्चों के शव को सीएससी की मोर्चरी में रखवाया है। वहीं, अन्य घायल हुए बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। गंभीर रूप से घायल हुए बच्चों को राजसमंद जिला आर के चिकित्सालय रेफर किया गया है। राजसमंद से विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने हादसे को लेकर दुख प्रकट किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राजसमंद के आमेट से परशुराम महादेव दर्शन करने जा रही स्कूल बस की देसूरी नाल में दुर्घटना में छात्रों की मृत्यु का समाचार पीड़ादायक है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को यह आघात सहन करने की शक्ति प्रदान करें व दुर्घटना में घायल हुए छात्रों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु प्रार्थना करती हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज लॉन्च करेंगे बीमा सखी योजना, महिला सशक्तीकरण को मिलेगा बल

नई दिल्ली। आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को अपनी हरियाणा यात्रा के दौरान बीमा सखी योजना को लॉन्च करेंगे। इस योजना के जरिए सरकार की कोशिश महिलाओं के सशक्त बनाना और वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाना है।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जारी बयान में बताया गया, यह भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की एक पहल है। इस योजना को पानीपत में लॉन्च किया जाएगा। बीमा सखी योजना के जरिए 10वीं पास कर चुकी 18 से 70 वर्ष की आयु की महिलाओं के सशक्तीकरण को बल मिलेगा।

बयान में आगे कहा गया कि इस योजना के तहत वित्तीय साक्षरता और बीमा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं को पहले तीन वर्षों के लिए विशेष प्रशिक्षण और वजीफा दिया जाएगा।

प्रशिक्षण के बाद महिलाएं एलआईसी एजेंट के रूप में काम कर सकती हैं और स्नातक बीमा सखियों को एलआईसी में विकास अधिकारी की भूमिका में काम करने का भी अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी भावी बीमा सखियों को नियुक्ति प्रमाण पत्र भी वितरित करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के मुख्य परिसर की आधारशिला भी रखेंगे।

मुख्य परिसर और छह क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र 495 एकड़ में फैले होंगे। इसमें 700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी।

विश्वविद्यालय में स्नातक और स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए एक बागवानी कॉलेज और 10 बागवानी विषयों को कवर करने वाले पांच स्कूल होंगे। यह बागवानी टेक्नोलॉजी के विकास के लिए फसल विविधीकरण और विश्व स्तरीय अनुसंधान की दिशा में काम करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को सबसे पहले जयपुर जाएंगे और सुबह 10.30 बजे जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट - 2024 का उद्घाटन करेंगे।

इस समिट में 16 भागीदार देशों और 20 अंतरराष्ट्रीय संगठनों सहित 32 से अधिक देश भाग लेंगे। इसके बाद वे पड़ोसी राज्य हरियाणा के पानीपत जाएंगे।

भारतीय वायुसेना की फ्यूचर वारफेयर तैयारी, कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में बनी भविष्य की रणनीति

नईदिल्ली। आरएनएस

भारतीय वायुसेना की पश्चिमी वायु कमान ने राजधानी दिल्ली में दो दिवसीय कमांडर्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया. इस सम्मेलन की अध्यक्षता वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने की. इस वर्ष इस कार्यक्रम की थीम भारतीय वायुसेना- सशक्त, सक्षम, आत्मनिर्भर'' पर केंद्रित थी. इस सम्मेलन में वायुसेना प्रमुख ने भी शिरकत की. इस दौरान उन्होंने कमांडरों के साथ बातचीत की. जिसमें उन्होंने भविष्य के बहु-डोमेन युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए उनकी तैयारी पर जोर दिया.

इसके साथ ही वायु सेना प्रमुख ने प्रशिक्षण, योजना, सुरक्षा और नए उपकरणों के शीघ्र संचालन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया. इसके साथ ही उन्होंने नेतृत्व विकास के महत्व को रेखांकित किया, जिससे भारतीय वायुसेना एक सशक्त और आधुनिक बल के रूप में दुनिया के सामने उभर कर आए.

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने अपने संबोधन में वायुसेना के मूल्यों- मिशन, इंटीग्रिटी और एक्सीलेंस को बनाए रखने की सराहना की. इसके साथ ही उन्होंने डब्ल्यूएसी की आपदा राहत अभियानों में तत्परता और उच्च परिचालन क्षमता की सराहना करते हुए इसे एक हमेशा तैयार लड़ाकू बल करार दिया. सीएएस ने आधुनिक उपकरणों के त्वरित परिचालन और आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों पर भी जोर दिया.

यह सम्मेलन भारतीय वायुसेना की दीर्घकालिक रणनीति और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. प्रशिक्षण और उपकरणों में सुधार के साथ-साथ नेतृत्व विकास की प्रक्रिया, वायुसेना को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए और अधिक सक्षम बनाएगी.

बता दें कि भारतीय वायु सेना का आदर्श वाक्य 'शान से आकाश को छूना' है. जिसे गीता के ग्यारहवें अध्याय से लिया गया है जो महाभारत के युद्ध के दौरान कुरुक्षेत्र के मैदान पर भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया प्रवचन है. भारतीय वायु सेना में एक योद्धा के तौर पर आपके ऊपर संविधान को कायम रखने और भारत की स्वतंत्रता की रक्षा करने की जिम्मेदारी होती है. जो बहुत बड़ी है, लेकिन यह केवल काम से संबंधित नहीं है.

शिंदे के 11 विधायक बनेंगे मंत्री, पुराने नेताओं की जगह 5 नए चेहरों पर लगी मुहर!

मुंबई। आरएनएस

5 दिसंबर को महाराष्ट्र को अपना नया मुख्यमंत्री मिल गया. देवेंद्र फडणवीस ने प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली तो वहीं एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने डिप्टी सीएम के रूप में शपथ ग्रहण किया. उसके बाद से अब यह चर्चा तेज हो गई है कि महायुति के तीनों दल बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी में से किसे कितने और कौन-सा मंत्रालय मिलेगा.

सूत्रों की मानें तो महाराष्ट्र कैबिनेट में बीजेपी को 22, शिंदे को 11 और एनसीपी के 10 मंत्री शपथ लेंगे. इस बीच नई जानकारी सामने आ रही है कि शिंदे ने अपने 11 मंत्रियों की लिस्ट तैयार कर ली है. शिंदे जहां कुछ पुराने चेहरे की जगह नए चेहरे को कैबिनेट में शामिल कर सकते हैं. कई नामों पर मुहर लगने की भी जानकारी मिल रही है.

शिवसेना 5 नए विधायकों पर भरोसा दिखा सकती है. जिन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा में शानदार प्रदर्शन किया है. फिलहाल, महायुति में मंत्रालयों के बीच बंटवारा चल रहा है. शिंदे कुछ मंत्रालय को लेकर अड़े हुए हैं. अब देखना यह होगा कि महाराष्ट्र कैबिनेट में शिवसेना के कितने विधायकों को जगह दी जाती है. इन नामों में उदय सामंत, विजय शिवतारे, संजय शिरसाट, तानाजी सावंत, दादा भुसे, गुलाबराव पाटिल, प्रताप सरनाईक, दीपक केसरकर, अर्जुन खोतकर का नाम सामने आ रहा है.

20 नवंबर को महाराष्ट्र में एक चरण में विधानसभा का चुनाव हुआ था. वहीं, 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे घोषित किए गए थे. चुनाव में महायुति ने भारी बहुमत से जीत हासिल की. प्रदेश के कुल 288 सीटों में से 235 सीटों पर महायुति ने जीत दर्ज की. 235 सीटों में से बीजेपी ने 132, शिवसेना ने 57 और एनसीपी ने 41 सीटों पर अपना कब्जा जमाया.

वहीं, विपक्ष महज 50 सीटों पर सिमट कर रह गई. विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद से ही प्रदेश का अगला सीएम कौन बनेगा. 12 दिनों तक उसी पर कयास लगाए जाते रहे. जब तक महायुति के विधायक दल की बैठक के बाद देवेंद्र फडणवीस के नाम की घोषणा नहीं कर दी गई.

अगले 2 से 3 वर्षों में देश में तेजी से घटेगी लॉजिस्टिक्स की लागत : नितिन गडकरी

नई दिल्ली। आरएनएस

केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के कहा कि सरकार का लक्ष्य अगले दो-तीन वर्षों में देश में लॉजिस्टिक्स लागत को एकल अंक तक लाना है, जो फिलहाल दोहरे अंक में है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत में मौजूदा समय में लॉजिस्टिक्स लागत 14 से 16 प्रतिशत के बीच है। यह अगले दो से तीन वर्षों में घटकर 9 प्रतिशत हो जाएगी। इससे भारत की आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता में काफी सुधार होगा।

सरकार ने लॉजिस्टिक्स सेक्टर की समास्याओं को दूर करने के लिए कई रणनीतिक नीतियां शुरू की हैं, जिसमें प्रधानमंत्री गति शक्ति-राष्ट्रीय मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) शामिल हैं।

मुंबई में हुए एक इवेंट में केंद्रीय मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि हमें हाइड्रोजन को एक भविष्य के ईंधन के तौर पर देखने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने हाइड्रोजन और सीएनजी के उत्पादन के लिए बायोमास और बायोडाइजेस्टर टेक्नोलॉजी की क्षमता के बारे में लोगों को अवगत कराया।

मंत्री ने कहा कि भारत अगले 10 वर्षों में वैकल्पिक और जैव ईंधन के मामले में भी दुनिया का नेतृत्व करेगा।

वर्तमान में कुल टोल आय 52,000 करोड़ रुपये है। दो साल के भीतर यह आय 1.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है।

गडकरी ने 'सीएनबीसी-टीवी18 इंडिया बिजनेस लीडर अवार्ड्स' कार्यक्रम में कहा, हम ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे बना रहे हैं और फंडिंग को लेकर कोई समस्या नहीं है, क्योंकि हम जो भी प्रोजेक्ट शुरू करते हैं, वह आर्थिक रूप से व्यवहार्य होता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, हमें 2.8 लाख करोड़ रुपये के बजट के रूप में वित्त मंत्रालय से भी मजबूत सपोर्ट मिला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पानी, बिजली, परिवहन और संचार जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास को प्राथमिकता दी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया शीतकालीन चारधाम यात्रा का शुभारंभ

देहरादून। आरएनएस

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना के साथ ही शीतकालीन चारधाम यात्रा शुरू करने की घोषणा कर दी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दो दिवसीय दौरे पर रुद्रप्रयाग पहुंचे। रविवार को अपने दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड को बड़ी सौगात देते हुए 12 महीने चलने वाली चारधाम यात्रा शुरू कराने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी ने रविवार को विधिवत केदार बाबा के शीतकालीन गद्दीस्थल ऊखीमठ से चारधाम यात्रा का ऐलान कर दिया है। उत्तराखंड में लंबे समय से चारधाम शीतकालीन यात्रा को लेकर आवाजें उठती रही हैं।

शीतकालीन चारधाम यात्रा शुरू होने से उत्तराखंड में साल भर देश-विदेश से यात्री दर्शन के लिए आएंगे। इससे वहां के स्थानीय लोगों की आर्थिकी को भी लाभ पहुंचेगा।

इस अवसर पर रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी, केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल, बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय, भाजपा जिलाध्यक्ष महावीर पंवार, तीर्थ पुरोहित सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनता मौजूद रही।

उन्होंने कहा, कोई भी यात्रा तभी सफल होती है, जब हमारे प्रयासों से उसका मार्ग सुगम हो और समय के साथ उसका आयोजन निरंतर चलता रहे। इसी तरह, अब 12 महीने तक हमारी यात्रा निरंतर चले, और हर महीने लोग यहां आते रहें, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। हम सभी को इसके लिए आवश्यक निर्देश भी दे रहे हैं, और एक तरह से इसकी शुरुआत हो चुकी है। हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि वे इस यात्रा को अनवरत जारी रखने का आशीर्वाद हमें दें।

उन्होंने आगे कहा, आने वाले समय में यह यात्रा निश्चित रूप से एक गेम चेंजर साबित होगी। साथ ही, हमारे अन्य धार्मिक स्थल जैसे कि गरीबीनारायण, कार्तिक स्वामी, और चारधाम आदि को भी हम एक मास्टर प्लान के तहत विकसित करेंगे। इन स्थानों के साथ-साथ पुरानी काशी, महाराज जी, देवरिया ताल जैसे अन्य स्थलों को भी हम विकास के तहत आगे बढ़ाएंगे।